Name: _____ Date: _____

'बचपन'

प्रश्न-1 लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थीं?

उत्तर _____

_____

प्रश्न-2 लेखिका यह क्यों कहती है कि मैं तुम्हारी दादी भी हो सकती हूँ, तुम्हारी नानी भी?

उत्तर _____

_____

प्रश्न-3 जूतों के बारे में लेखिका का क्या अनुभव रहा है?

उत्तर _____

_____

_____

प्रश्न-4 लेखिका चश्मे के लिए स्वंय को ज़िम्मेवार क्यों समझती थी?

उत्तर _____

_____

_____

प्रश्न-5 लेखिका बचपन में किन रंगों के कपडे पहनती थी और अब कैसे कपडे पहनती है?

उत्तर _____

_____

_____

www.educationwithfun.com

'बचपन'

प्रश्न-1 लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थीं?

उत्तर लेखिका बचपन में इतवार की सुबह अपने मोजें व स्टॉकिंग धोती थी और जूतों को पालिश कर के कपड़े से रगड़ कर या ब्रश से उन्हें चमकाती थी।

प्रश्न-2 लेखिका यह क्यों कहती है कि मैं तुम्हारी दादी भी हो सकती हूँ, तुम्हारी नानी भी?

उत्तर लेखिका की आयु दादी और नानी कहलाने की है इसलिए लेखिका कहती है कि मैं तुम्हारी दादी भी हो सकती हूँ, तुम्हारी नानी भी।

प्रश्न-3 जूतों के बारे में लेखिका का क्या अनुभव रहा है?

उत्तर लेखिका को हर इतवार को जूते पॉलिश करने होते थे और नए जूते मिलने पर उन्हें छालों का इलाज शुरू करना पड़ता था। जबकि आज के जूते कहीं ज्यादा आरामदेह होते हैं।

प्रश्न-4 लेखिका चश्मे के लिए स्वंय को ज़िम्मेवार क्यों समझती थी?

उत्तर लेखिका चश्मे के लिए स्वंय को ज़िम्मेवार इसलिए समझती थी क्योंकि वह दिन की रोशनी को छोड़कर रात में टेबल लैम्प के सामने काम किया करती थीं जिसके कारण उनकी नज़र कमज़ोर हो गई थी।

प्रश्न-5 लेखिका बचपन में किन रंगों के कपडे पहनती थी और अब कैसे कपडे पहनती है?

उत्तर लेखिका पहले रंग - बिरंगे कपडे पहनती थी जैसे नीला - जमुनी - ग्रे - काला - चॉकलेटी इत्यादि परन्तु लेखिका अब गहरे नहीं बल्कि हलके रंग जैसे सफ़ेद रंग के कपड़े पहनती है।

www.educationwithfun.com